अलंकरण समरोह

वीर जवानों के साहस से नक्सल मुक्त हुआ बालाघाट जिला

नक्सलवाद के ख़ात्मे से विकास की नई राह : मुख्यमंत्री

वन और खनिज संपदा से समृद्ध जिले को मिलेगा विकास का नया आयाम

नवभारत, बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बालाघाट क्षेत्र को प्रकृति ने वन संपदा, जल संपदा और खनिज संपदा का भरपूर आशीर्वाद दिया है। यहां की धरती प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है और यह क्षेत्र आत्मबल तथा परिश्रम की मिसाल रहा है। उन्होंने कहा कि 'बालाघाट' नाम ही इस बात का प्रतीक है कि यहां के लोग हिमालय जैसी कठिन चुनौतियों को भी अपने आत्मबल से पार करने की सामर्थ्य रखते हैं। मुख?यमंत्री डॉ. यादव बालाघाट में नक्सल उन्मूलन अभियान में अदम्य साहस का परिचय देने वाले 60 जवानों को आउट-आफ-टर्न पदोन्नति देने के अवसर पर पुलिस लाईन में आयोजित अलंकरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले में 101 करोड़ रुपये की लागत के 27 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया। इसके साथ ही उन्होंने सिंगल क्लिक के माध्यम से बालाघाट जिले के 32 पुलिस थानों एवं कार्यालयों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप आईएसओ प्रमाणन प्रदान किया। यह उपलब्धि गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज की गई। इस अवसर पर बालाघाट जिले में विगत 35 सालों से चल रही नक्सली घटनाओं पर आधारित संस्मरण पुस्तिका का विमोचन किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि करीब पैंतीस वर्ष से नक्सलवाद इस क्षेत्र के लिए कैंसर जैसी गंभीर समस्या बना हुआ था। सरकार के गठन के बाद इस चुनौती को समाप्त करने के लिए पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यापक स्तर पर चर्चा की गई और एक ठोस रणनीति बनाई गई। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में 'लाल सलाम को आख़िरी सलाम' का संकल्प लिया गया और असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य को संभव करने के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय था जब इस क्षेत्र का नाम सुनकर लोग भयभीत हो जाते थे, लेकिन आज वीर जवानों के अदम्य साहस, शौर्य और समर्पण के बल पर यह क्षेत्र नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है। उन्होंने शहीद जवानों को नमन करते हुए कहा कि हमें गर्व है कि जवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर इस चुनौती का सामना किया और प्रदेश को सुरक्षित बनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास में बाधक बनने वाले मुद्दों पर कठोर निर्णय लिए गए हैं। आज प्रदेश गर्व से कह सकता है कि उसकी धरती पर एक भी नक्सलवादी सक्रिय नहीं है। मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि पूर्व कैबिनेट मंत्री की हत्या की घटना का भी चुन-चुनकर बदला लिया गया और दोषियों को उनके अंजाम तक पहुंचाया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे क्षेत्रों में पुलिस जवानों ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी लगातार अभियान चलाए। वर्ष 2025 में बारिश के मौसम जैसी विपरीत परिस्थितियों में भी 1239 अभियान संचालित किए गए। वर्ष 2025 में दस हार्डकोर नक्सलियों को मुठभेड़ों में मार गिराया गया, जिससे स्पष्ट संदेश गया कि या तो आत्मसमर्पण करो या कठोर कार्रवाई का सामना करो। जवानों ने इस संकल्प को पूरी निष्ठा के साथ पूरा किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि अब नक्सलवाद की जड़ें कभी दोबारा न जमने पाएँ। इसके लिए सुरक्षा अभियानों के साथ-साथ विकास कार्यों को भी समानांतर रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वन अधिकार पट्टे, जाति प्रमाण पत्र और स्थानीय युवाओं को रोजगार प्रदान कर विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है, जिससे क्षेत्र में विश्वास और प्रगति का वातावरण बना है।

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नक्सलवाद की समाप्ति के लिए वीर जवानों द्वारा दिखाए गए पराक्रम और शौर्य को याद करने का यह अविस्मरणीय दिन है। उन्होंने आउट ऑफ़ टर्न प्रमोशन प्राप्त करने वाले जवानों और उनके परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान उनके साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का परिणाम है।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि पुलिस हॉक फोर्स के जांबाज़ जवानों ने कठिन परिस्थितियों में दिन-रात मेहनत कर जिस जज़्बे के साथ काम किया है, वह सराहनीय है। उन्हीं के बलबूते प्रदेश से नक्सलवाद के कलंक को समाप्त करने में सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि नक्सल प्रभावित इलाक़ों में अब विकास की नई राह खुल रही है। युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार के नए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं, ताकि वे मुख्यधारा से जुड़कर अपने जीवन को बेहतर बना सकें। साथ ही क्षेत्र में विकास कार्य भी निरंतर गति से किए जा रहे हैं, जिससे आमजन को सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। सरकार सुरक्षा बलों के साहस और त्याग का सदैव सम्मान करती है और उनके कल्याण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 17 एवं 18 जनवरी को मलाजखंड में हुए बैगा महोत्सव के विजेता खिलाडियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसमें बिरसा के धनसिंह धुर्वे, समनापुर की ज्योति धुर्वे, जमुना मरावी एवं कटंगी के बुधराम मरावी शामिल है। बालाघाट जिला प्रशासन द्वारा बैगा जनजाति की संस्कृति एवं परंपराओं को संरक्षित करने के लिए बैगा महोत्सव का आयोजन किया गया था। इसमें 03 हजार से अधिक बैगा जनजाति के छात्र छात्राओं ने सहभागिता की थी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के 14 सदस्यों को शासकीय सेवा में नियुक्ति के पत्र प्रदान किये।

60 जवानों को आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन प्रदान किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इस साहसिक अभियान में शामिल जवानों को सम्मानित करते हुए उन्हें क्रम से पूर्व पदोन्नति प्रदान की गई है। पदोन्नति पाने वाले जवानों में विपिन चंद्र खलको, इंदर सिंह विदूरी, शुभम प्रताप सिंह तोमर, रत्नेश मीणा, नवदेश श्रीवास्तव, मुनेन्द्र सिंह, रूद्रीचंद जखमोला, अनिल सिंह भदौरिया, मत्ते सिंह मरावी, उज्जवल घोरमारे, मनोज कुमार यादव, देवेन्द्रे धुर्वे, रवेन्द्र कुशवाह, हरेन्द्र सिंह, प्रदीप गोसाई, विनोद कुमार मर्सकोले, उमेश कुमार पटेल, विकाश कुमार राजपूत, मुकेश सगर, विवेक परस्ते, राघवेन्द्र सिंह गुर्जर, आशीष रजक, शिवहरी मरावी, प्रवीण धुर्वे, टीकाराम ढकाल, प्रवीण कुमार, असित यादव, रामआशीष यादव, संदीप शर्मा, लोकपाल धाकड़, कृ?णा श्रेष्ठ , जितेन्द्र सिंह पटेल, वीर सिंह, शकरचंद सरयाम, सुनील परियार, चन्द्रकांत पांडेय, सत्यम द्ववेदी, सुनील यादव, देवराज कलमें, सुरेन्द्र सिंह मार्को, सुशील उईके, रामलाल भील, उमेश चन्द्र दुबे, संतोष कुमार मरावी, प्रदीप कुमार परते, राजा मालवीय, विशाल कुमार सिंह, दीपक पवार, कन्हैया मरकाम, सुनील सिंह कुशवाह, मुलायम सिंह, वरूण देव सिंह चाहर, मुनीष कुमार द्विवेदी, नीलेश, महेन्द्र सिंह, रवि कुमार यादव, छठु यादव, सलेश कुमार द्विवेदी, संजू शर्मा एवं जिला पुलिस बल के नरेन्द्र सोनवे शामिल हैं।

लंबित प्रकरण से किसान हलाकान

पेशी पर मिल रही तारीखों पर तारीख

नवभारत, खैरलांजी। राजस्व विभाग के पोर्टल पर किसानो के प्रकरण दर्ज नही होने को लेकर क्षेत्रीय किसान बहुत परेशान और मजबूर है। किसानो से जुड़े नामांतरण, बंटवारा, खसरा, खतौनी,नकल हो या वह सभी प्रकरण जिनका निपटारा तहसिल कार्यालय से होता है,वह कई-कई दिनो से पेंडिग में रहने को लेकर क्षेत्रीय किसान हताश है। तहसिल क्षेत्रांतर्गत आने वाले 84 गांवो के किसानो की समस्या है कि वह अपना आवेदन लेकर अपने गांवो से बड़ी उम्मीद और आस के साथ आते है कि उन्हे ज्यादा दिनों तक नही भटकना पड़ेगा लेकिन उनके आवेदन को तहसिल कार्यालय में आनलाइन दर्ज ना करते हुए आफलाइन ही रख लिया जाता है। आवेदक किसानो ने बताया कि उन्हें जानकारी के अभाव में वह आवेदन को सीधे तहसिलदार के ही समक्ष पेश कर देते है ताकि उनका समय पर काम हो सके। लेकिन उन्हें पेशी की तारिख देकर उनके प्रकरण में आगे तारिखो पर तारिख चलते रहती है। इसकी असल वजह ये है कि जो आवेदन किसान से लिया जाता है उनके आनलाइन होते ही वह शासन के राजस्व पोर्टल पर दिखने लगता है। जो जिला कलेक्टर से लेकर मुख्य सचिव तक लंबित या निराकरण होने की जानकारी प्रमुखो को भी रहती है। अधिकतर आवेदनो को तहसिल कार्यालय प्रमुख द्वारा आनलाईन दर्ज हो जाने पर निराकरण की समय अवधि में करना होता है। लेकिन आवेदन अगर आफलाईन है तो उस आवेदन को राजस्व विभाग के पोर्टल पर दर्ज नही होने से वह कंही भी नही दिखता है, जिससे तहसिल कार्यालय के कामकाज की वाहवाही भी और काम की ना के बराबर पेंडेंसी होती है। जब तहसिल कार्यालय में किसानों के प्रकरण की मालुमात करने किसान के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि जाते है तो उन्हें साफ्टवेयर में कमी या गड़बड़ी बताकर किसानों के प्रकरण का निपटारा नही होने का हवाला दे दिया जाता है।

तहसील कार्यालय में पेंडिग प्रकरणों की भरमार

अभी वर्तमान में चल रहे वर्ष 2026 के अलावा बीते वर्ष 2025 की बात करे तो तब के भी बहुत सारे प्रकरण पेंडिंग होने की जानकारी बताई जा रही है। जिनकी तारिखें तहसिल न्यायालय में चल रही है। यह उन किसानों ने बताया है जिनकी तीन-चार महीनो से पेशी पर लगातार तारिखें हो रही है। हांलांकि भूमि खरीदने वाले किसानों को तीन से चार तारीखे दी जाती है इनमें यह देखना होता है किसान ने जमीने खरीदी है, सिंचित है या असिंचित, किसी तरह का विवाद तो नहीं है, कोई दावा आपत्ति कर्ता तो नही है। नापतौल कब की गई है और पैसा पूरा मिला या नही। इस तरह के मामलो का निदान होने के बाद ही किसानो का नामांतरण संभव हो पाता है लेकिन उन किसानो को भी भटकता देखा जा सकता है।

तहसिल कार्यालय में हर आवेदन के लिए अवधि निर्धारित की गई है। लेकिन तहसिल में समय सीमा में किसानो के लिए कामकाज नहीं किए जा रहे है। इतना ही नही कई बार नामांतरण और खातेदारी प्रकरणों में जानबूझकर गलत जानकारी अपलोड की जाती है जिससे आवेदको को अतिरिक्त खर्चा उठाना पडता है।

उड़ीसा और इटावा का विजय अभियान सत्यम के बल्ले से निकला शतकीय तूफान

नवभारत, वारासिवनी। ऑल इंडिया देबधर ट्रॉफी 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में आज रनों की बारिश और घातक गेंदबाजी का अद्भुत संगम देखने को मिला। आज के दो महत्वपूर्ण मुकाबलों में उड़ीसा ने भोपाल को और एससीसी इटावा ने बीसीसीएन नागौद को शिकस्त देकर अगले दौर में अपनी जगह सुरक्षित की।

टूर्नामेंट के दौरान क्षेत्र के प्रतिष्ठित अतिथियों प्रदीप जैन, राजेन्द्र अरोरा, राजकुमार काले, सुभाष काले, राजीव भारिल, शेखर और राजू जैवार ने अपनी उपस्थिति से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। अतिथियों के संबोधन के मुख्य अंश निम्नलिखित रहे:राजेन्द्र अरोरा: उन्होंने आयोजन की भव्यता को रेखांकित करते हुए कहा कि वारासिवनी में इस स्तर के टूर्नामेंट का होना स्थानीय खिलाड़ियों के लिए गौरव की बात है। श्री राजीव भारिल: उन्होंने कपिल देव (गुट्टा भैया) के प्रयासों को याद करते हुए खिलाड़ियों को आधुनिक खेल सुविधाओं का पूरा लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया।अंकित काले: उन्होंने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इस मैदान से देश के लिए खेलने वाले सितारे तैयार करना हमारा मुख्य लक्ष्य है।

दिन के पहले मैच में उड़ीसा की टीम ने भोपाल पर पूरी तरह से शिकस्त दी। भोपाल की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 100 रनों पर सिमट गई। भोपाल के प्रमुख प्रदर्शन: भोपाल की ओर से सचिन गौर ने सर्वाधिक 45 रन बनाए, जबकि समीर अंसारी ने 18 रनों का योगदान दिया।

उड़ीसा की घातक गेंदबाजी: उड़ीसा के गेंदबाजों ने भोपाल के बल्लेबाजों को टिकने का मौका नहीं दिया। सैयद ज़मरान जावेद कादरी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके, वहीं तरणी सा ने 3 विकेट लेकर भोपाल की कमर तोड़ दी।

उड़ीसा की बल्लेबाजी: 101 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए उड़ीसा के मोहसिन खान ने 52 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली और तरणी सा ने 26 रन बनाकर टीम को आसान जीत दिला दी।

दूसरा मैच: इटावा का 'शक्ति प्रदर्शन' और सत्यम का विध्वंसक शतक

दूसरे मुकाबले में एसीसी इटावा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का साहसी निर्णय लिया और रनों का अंबार खड़ा कर दिया। इटावा की ओपनिंग और शुरुआती झटके: पारी की शुरुआत उज्ज्वल यादव और हर्ष त्यागी ने की। टीम को पहला झटका 8 रन पर लगा जब उज्ज्वल आउट हुए। इसके बाद हर्ष त्यागी ने सधी हुई बल्लेबाजी की, लेकिन दूसरा विकेट 115 रन के स्कोर पर गिरा जब हर्ष (36 रन) पवेलियन लौटे।

ग्राम पंचायत में शराब बंदी करके रहेंगे

नवभारत, बालाघाट। 08 फरवरी ग्राम पंचायत पोंगारझोड़ी में नशा मुक्ति कच्ची शराब बंदी को लेकर माता व बहनों द्वारा काफी सहरानी कदम उठाया गया शराब के कारण युवा नशे में लिप्त होते जा रहे हैं घर का एक व्यक्ति शराब पीता है लेकिन उसका असर पूरे परिवार पर पड़ता है ग्रामीण महिलाओं के सहयोग से कार्यक्रम किया गया जिसमें महिलाओं के द्वारा कार्यक्रम की ,,थीम,, ''अभी तो यह अंगड़ाई है आगे और लड़ाई है'' थीं जिसको लेकर ग्रामीणों ने महिलाओं का भरपूर सहयोग किया कार्यक्रम में उपस्थित दीप ज्योति नशा मुक्ति केंद्र के (संचालक) श्री अंकित एडे एवं ग्राम पंचायत पोंगारझोड़ी के सरपंच श्री दिनेश वरकड़े उप सरपंच श्री भुवनलाल एडे ग्राम के बुजुर्ग युवा महिलाएं अधिक संख्या में उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया। श्री अंकित एडे कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई ।

है इसे हम अपने स्वच्छ गांव में पनपने नहीं देंगे जिससे हमाराग्राम दूषित हो यह नशा हमारी आने वाली पीढ़ी को गहरे दल दल ने डाल सकता है जिससे ग्राम के विकाश की क्षति हो सकती हैं और हमे आगे भी इसी तरह अवैध रूप से मादक पदार्थों

का उत्पादन करने वाले के खिलाफ एकता का परिचय देते हुए ग्राम को नशा मुक्ति बनने में सहयोग करना होगा ताकि हम पहले अपने ग्राम को नशा मुक्त बना संक्राज नशा का उपयोग करने वाले की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है और इसके प्रतिशत में बढ़ोतरी हो रही हैं हमे एक जुट होकर जागरूकता लानी होगी और नशे के दुरुपयोग के बारे मे जागरूकता लाना होगा हमारा देश युवाओं का देश है और युवा आने वाला भविष्य और नींव है युवाओ के बीच आज जोश प्रकार नशे का चलन बढ़ते जा रहा है इसे हमे रोकें ही होगा ताकि एक मजबूत और नशा मुक्त समाज का निर्माण कर सके ग्राम के (सरपंच) श्री दिनेश वरकड़े ने बताया कि ग्राम के सभी यूवा शिक्षित है और जोश प्रकार अवैध रूप से कच्ची शराब बनाई जा रही है उसे हमे सभी को मिलकर रोकना होगा ताकि यह आसानी से युवाओ को न मिल पाये जिससे की युवा नशा मुक्त हो जाए और मजबूर शिक्षित और नशा मुक्त समाज का निर्माण कर सके श्री वरकड़े ने बताया कि अब कच्ची शराब का उत्पादन करते पाए गये तो उन्हें सामाजिक तौर पर कड़ी कारवाही की जाएगी ताकि समाज को नशा मुक्त बनाया जा सके हमारा जीवन बहुत ही अनमोल हैं अगर हम नशे के आदि हो जाते है तो हमारा शरीर भी कमजोर हो जाता है लीवर , किडनी, कैंसर जैसेखतरनाक बीमारी हो सकती हैं जिस से हमारा परिवार परेशानी में आ सकता है ग्राम के (उप-सरपंच)

श्री भुवन लाल एडे ने कहा कि नशा करना एक ऐसी आदत है जो धीरे धीरे व्यक्ति को मानसिक शारीरिक और सामाजिक रूप से जकड़ लेती है शुरवात में यह केवल आनंद या तनाव कम करने का साधन लगता हैं ।

12 फरवरी तक कमला नेहरू सामुदायिक भवन में कृषि मेला आयोजित

बालाघाट। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, बालाघाट द्वारा जिले के किसानों और आम नागरिकों में पोषण युक्त आहार एवं उन्नत कृषि तकनीकों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'जिला स्तरीय कृषि मेला सह प्रदर्शनी' का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 08 फरवरी से 12 फरवरी 2026 तक कमला नेहरू सामुदायिक भवन, सर्किट हाउस रोड, बालाघाट में आयोजित होगा। प्रदर्शनी प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से रात्रि 09 बजे तक आम जनता के लिए खुली रहेगी। उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जनसामान्य को श्रीअन्न (मिलेट्स), तिलहन फसलों तथा जिले की विशिष्ट पहचान 'बालाघाट चिन्नौर' चावल को अपने दैनिक आहार में शामिल करने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही कृषकों को उन्नत कृषि तकनीक, फसल प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन से संबंधित व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करना भी इस मेले का प्रमुख लक्ष्य है। कार्यक्रम के अंतर्गत 'मिलेट्स रोड शो' का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें कोदो, कुटकी, ज्वार, बाजरा, मक्का जैसे मोटे अनाजों से बने विभिन्न खाद्य उत्पादों एवं व्यंजनों का प्रदर्शन किया जाएगा।

नन्हें-मुन्ने बच्चों के नृत्य ने उपस्थितजनों का मन मोहा

बचपन प्ले स्कूल का सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

नवभारत कटंगी 9 फरवरी। शहर में स्थित बचपन प्ले स्कूल ने रविवार को निजी लॉन में भव्य वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर न्यायाधीश नेहा ठाकुर मौजूद रहीं। इस आयोजन में शहर के वरिष्ठ एवं युवा पत्रकार भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना के साथ किया गया। इसके पश्चात नन्हें-मुन्ने बच्चों ने गणेश वंदना, नृत्य, गीत, समूह नृत्य, देशभक्ति प्रस्तुतियों एवं मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों की मासूमियत, आत्मविश्वास और

मंचीय अनुशासन ने उपस्थित दर्शकों का दिल जीत लिया। हर प्रस्तुति पर तालियों की गूंज से पूरा परिसर उत्साह और उमंग से भर उठा।

ऐसे आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है : नेहा ठाकुर

मुख्य अतिथि न्यायाधीश नेहा ठाकुर ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि प्रारंभिक शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियां बच्चों के मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक विकास में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और संस्कार विकसित होते हैं। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सर्वांगीण विकास पर देते हैं विशेष ध्यान : टेटे

कार्यक्रम में मौजूद शहर के पत्रकारों ने भी बच्चों की प्रतिभा, अपने बचपन की यादें, और विद्यालय की कार्यशैली की सराहना की तथा कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करते हैं। विद्यालय प्रबंधन में डायरेक्टर सुभाष टेटे ने अपने संबोधन में बताया बचपन प्ले स्कूल बच्चों को केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं रखते हुए उनके सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देता है।

इनका रहा योगदान- कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में स्कूल परिवार के प्राचार्य चित्ररेखा टेटे, पूजा बिसेन, यशु श्रीवस्तव, आर्ची हुमनेकर, ऊर्वशी परिहार, दिया बिसेन, सिया ठाकुर, गीता राणा, एवं स्वाति हनवत के अलावा समस्त विद्यालयीन परिवार का योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने मुख्य अतिथि, पत्रकार, अभिभावकों एवं समस्त अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया।

स्टेट हाइवे-54 सिवनी से बोनकट्टा राजमार्ग निर्माण में अनियमितताएं

खिड़की घाट के पास जानलेवा गड्ढा, चेतावनी संकेतक तक नहीं, बोरियां रखकर की अस्थाई व्यवस्था, दुर्घटना की आशंका

नवभारत कटंगी 9 फरवरी। सिवनी से बोनकट्टा स्टेट हाइवे क्रमांक 54 में लगभग छह माह पूर्व एम पी आर डी सी द्वारा 78 .345 किमी की सड़क का नवीनिकरण कार्य करोड़ों की लागत से राधिका कंस्ट्रक्शन सिवनी द्वारा कराया गया था, जिसमें किये गये भ्रष्टाचार की पोल अब खुलने लगी है। सड़क बनते ही अनेकों स्थानों पर बने गड्ढों को रिपेयर करने में कम मटेरियल और बिटूमीन कन्टेंट के प्रतिशत में कमी होना प्रतीत हो रहा है।

जानकारों के अनुसार सड़क में गड्ढे बनने का मुख्य कारण घटिया सामग्री का इस्तेमाल और भ्रष्टाचार है। इसी तरह उक्त सड़क निर्माण में ठेकेदार द्वारा साइड शोल्डर में मिट्टी मुरूम भराई नहीं करते हुए पुराने साइड शोल्डर की मिट्टी को

रोड रोलर से दबाकर खानापूर्ति कर कार्य की इतिश्री कर ली गई और शासकीय राशि की बंदरबांट कर ली।

विभाग की लापरवाही पर उठने लगे सवाल- सड़क पर अनेक स्थानों पर संकेतक सूचक बोर्ड नहीं लगाये गये, जिससे वाहन चालकों को परेशानी हो रही है और दुर्घटनाएं हो रही है। खिड़की घाट के पास सड़क किनारे पानी के बहाव से मिट्टी कटने के कारण बना गड्ढा भी जानलेवा साबित हो सकता है, जिसमें विभाग की लापरवाही पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। प्रबुद्ध नागरिकों का कहना है कि इसकी जानकारी विभाग को भी है किंतु लापरवाह अधिकारियों का इस पर ध्यान देने की फ़ुर्सत नहीं है।

क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का कर रहा इंतजार- यह व्यस्त मार्ग है, जिसमें वाहनों का आवागमन निरंतर जारी रहता है। उक्त स्थान पर न तो कोई चेतावनी बोर्ड लगा हुआ है न ही रिफ्लेक्टर, बेरिकेडिंग और सुरक्षा पट्टी लगाई गई है मात्र सीमेंट की बोरियों में रेत मिट्टी भरकर रख दी गई है। क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इन्तजार कर रहा है। लोगों ने आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो से जांच कराने की मांग की है।

लोगों में भारी आक्रोश- सड़क निर्माण में बरती गई अनियमितता और भ्रष्टाचार को लेकर क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। वाहन चालकों और नागरिकों ने मांग की है कि दोषी ठेकेदार और मार्ग का कार्य करवाने वाले अधिकारियों पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाये तथा खिड़की घाट के उक्त स्थान का स्थाई समाधान किया जाये ताकि भविष्य में किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हो पाये।

इनका कहना है

मेरे द्वारा उक्त गड्ढे में मिट्टी भराई कर बनाने ठेकेदार को बोला गया है तथा साइड शोल्डर में जहां आव्यशकता थी वहां ही मुरुम डाला गया है।

दीपक आडे
महाप्रबंधक, एमपीआरडीसी